सादर प्रकाशनार्थ

21 जून अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की श्रृंखला में अनेकानेक कार्यक्रम

कोरबा–20.06.2016– दिनांक 21 जून को प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के तत्वाधान में सायं 5:30 बजे विश्व सद्भावना भवन कोरबा तथा साधना भवन गेवरा दोपका में योग दिवस के अवसर पर परिचर्चा का आयोजन किया गया है।

निःशुल्क स्वास्थ शिविर बांधाखार में राजयोग के महत्व और लाभ पर प्रकाश डालते हुए ब्रह्माकुमारी जितेश्वरी बहन ने कहा कि मन की शक्तियों को पहचान और इस व्यर्थ जाने से बचायें। मन का दमन न कर उससे मित्रवत् व्यवहार कर सुमन बनाये एवं अच्छे वातावरण और शुभचिन्तन से अपने मनोबल को बढ़ायें। आपने कहा कि नशा एक समाजिक बुराई है और इससे सदा सभी को दूर रहाना चाहिए। शिविर में आये हुए लोगों को नशे से होने वाले नकशान की जानकारी डॉ. के.सी.देबनाथ अक्षय हास्पिटल कोरबा ने दी तथा नशा छोड़ने तथा एक सद्गुण अपने जीवन में धारण करने की प्रेरणा दी। आपने कहा कि आप अपने विचारों पर ध्यान दीजिये कि किस तरह के विचारों का आप अपनी दिनचर्या में ग्रहण कर आदान प्रदान करते हैं। यदि ये विचार सकारात्मक और शुभ कार्यों के प्रति समर्पित होंगें तो उनसे आपको दुआयें और शक्ति प्राप्त होगी। नकारात्मक विचार सदा ही हमारे आत्मबल को क्षीर्ण कर देते हैं। इसलिये क्रोधाग्नि, ईर्ष्या, द्वेष आदि नकारात्मक विचारों का अपने कार्यकलापों में परहेज रखना चाहिए।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के संदर्भ में योग प्रशिक्षण सद्भावना भवन करतला में आयोजित किया गया। विभिन्न प्रकार के योगासन एवं प्राणायाम का प्रशिक्षण भ्राता विनोद कुमार रत्नाकर तथा भ्राता नरेश प्रसाद पटेल के द्वारा अंचल से आये मास्टर ट्रनर शिक्षक तथा प्रेरकों को दिया गया। भ्राता विजय कुमार लहरे विकास खण्ड शिक्षा अधिकारी करतला ने कहा कि इस वनांचल में इस योग प्रशिक्षण के द्वारा सभी को लाभ लेकर अपने–अपने स्थानों पर जाकर बच्चों तथा आम जनता को देगें। भ्राता ए.पी.पाण्डेय ने सभी को राजयोग की शिक्षा पर प्रकाश डालते हुए कहा कि शरीर एक कार अथवा माटर की तरह है और आत्मा इसका ड्राईवर है। शरीर को स्वस्थ रखने के साथ–साथ आत्मा के मनोबल बढ़ाने के लिये राजयोग का अभ्यास आवश्यक है। आपने मन की शांति और सकारात्मक चिन्तन के लिये राजयोग का अभ्यास कराया।

19 जून रविवार को कारबा अंचल में सायं 6:30 से 7:30 संस्थान के सभी सेवाकेन्द्रों में सामूहिक राजयोग के अभ्यास द्वारा विश्व शांति के प्रकम्पन फैलाये गये।

मानवता की सेवा में, ब्रह्माकुमारी रूकमणी।